राष्ट्रपति भवन में वर्ष 2009 के लिए राष्ट्रपति स्काउट एवं गाइड पुरस्कार प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने के अवसर पर भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील का अभिभाषण

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 2010

देवियो और सज्जनो,

मैं उन सभी स्काउट एवं गाइड, रोवर एवं रेंजर तथा अनुभवी नायकों को बधाई देती हूं जिन्हें वर्ष 2009 के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार प्रमाण-पत्र प्राप्त हुए हैं। वे सभी एक ऐसे संगठन से जुड़े हुए हैं जोकि युवाओं को मन, वचन और कर्म से पवित्र बने रहने तथा विवेकशील नागरिक बनने के लिए प्रोत्साहित करके उनके चरित्र के निर्माण का कार्य करता है। दायित्वपूर्ण कार्य करने के लिए युवाओं को तैयार करना नि:संदेह एक बेशकीमती राष्ट्रीय सेवा है और मैं इस कार्य में स्काउट एवं गाइड आंदोलन की सफलता की कामना करती हूं।

अपनी ऊर्जा तथा अपनी स्फूर्ति, अपने सपनों तथा आकांक्षाओं से भरपूर युवक एक ऐसी ताकत हैं जिनको सही दिशा मिलने से वे किसी भी राष्ट्र के लिए गर्व का विषय बन सकते हैं। स्वामी विवेकानंद को इस युवा पीढ़ी पर बहुत विश्वास था और वह कहा करते थे, ''तुम मुझे चंद ऐसे पुरुष और महिलाएं दो जो चरित्रवान और नि:स्वार्थ हों तो मैं पूरी दुनिया को हिला दूंगा।'' इस समय भारत की जनसंख्या का बड़ा हिस्सा युवाओं का है और अगले कुछ दशकों तक भारत की जनसंख्या का अधिकांश भाग युवा बना रहेगा। मुझे विश्वास है कि जब हमारे देश के 54 करोड़ युवक सुशिक्षित होंगे और वे देश के प्रति सेवा भावना से कृतसंकल्प होकर कार्य करेंगे तो भारत का भविष्य उज्ज्वल होगा। भारतीय युवा देश तथा पूरे विश्व में मानवीय क्रियाकलापों के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी क्षमताओं तथा दक्षताओं का प्रदर्शन कर रहे हैं। चाहे पूरी दुनिया में सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग हो, अंतरराष्ट्रीय बैंक हो, वैश्विक वैज्ञानिक संगठन हो अथवा फिर बहुराष्ट्रीय व्यापारिक उद्यम हों, इन सभी में भारतीय युवा कार्य कर रहे हैं। खेलों में हमारे युवओं ने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में विजय हासिल की है तथा पुरस्कार और पदक लेकर देश का गौरव बढ़ाया है। तथापि हमें इन उपलब्धियों से ही संतुष्ट नहीं हो जाना

चाहिए। कड़ी प्रतिस्पर्धा के इस युग में हमें उत्कृष्टता के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए।

हमारी इस युवा पीढ़ी में हमारे देश के भावी नेता, व्यापारी, उद्यमी, वैज्ञानिक और इंजीनियर हैं, खिलाड़ी तथा कलाकार हैं, अधिवक्ता और चिकित्सक हैं। देश को संतुलित तथा चहुंमुखी उन्नति के लिए विभिन्न तरह के पेशेवर तथा कुशल कार्मिक चाहिए। यह बहुत जरूरी है कि आप जो भी कार्य कर रहे हैं उसे समयबद्ध ढंग से पूरा करने के लिए आप पूर्ण दायित्व तथा निष्ठापूर्वक कार्य करें। विद्यार्थी के रूप में आपको मेहनत से अध्ययन करना चाहिए और आपको यह अध्ययन सच्चा ज्ञान तथा समझ प्राप्त करने के लिए करना चाहिए। अपने नैतिक जीवन में अनुशासित तथा व्यवस्थित रहें। इन गुणों से यह सुनिश्चित हो पाता है कि आप अपने सौंपे गए कार्य को पूरा कर रहे हैं और नित्य जरूरी कार्य कर रहे हैं। इससे जीवन में सीढ़ी-दर-सीढ़ी प्रगति में सहायता मिलती है और सफलता प्राप्त होती है। भाग्य आपकी अच्छी मेहनत का नतीजा है और अगर आप ढिलाई बरतते हैं तो यह आपके हाथों से खिसक सकता है। इसलिए आप जो भी करें लगन से करें।

जीवन अनुभवों का भंडार है—जब सफलता मिलती है तो संतुष्टि होती है, जब कोई खुशी भरी घटना घटती है तो खुशी मिलती है, और जब कोई लक्ष्य पूरा होता है तो हमें गर्व होता है। परंतु इसी बीच चुनौती भरा समय भी आता है। ऐसे क्षण भी आएंगे जब जीत हाथ से फिसलती नजर आएगी। असफलता मिलने का मतलब यह नहीं कि हम हार मान लें। इसका मतलब यह है कि हमें और अधिक मेहनत करनी है और तब तक लगे रहना है जब तक हम अपना लक्ष्य प्राप्त नहीं कर लेते। थॉमस एडिसन, जिन्होंने कई नवीन आविष्कार किए थे, के बारे में एक प्रसिद्ध कहानी है। कहा जाता है कि 9999 बार भी थामस एडिसन 'लाइट बल्ब' के आविष्कार में पूरी तरह सफल नहीं हुए थे। तभी किसी ने एडिसन से पूछा, ''क्या आप 1000वीं बार असफल होने जा रहे हैं।'' एडिसन का उत्तर था, ''मैं एक बार भी असफल नहीं हुआ हूँ। मुझे हजारों अनुभव हुए हैं जिनसे मैंने कुछ न कुछ सीखा है। मुझे अभी पर्याप्त अनुभवों से गुजरते हुए सीखना है ताकि मैं वह तरीका सीख सकूं जिससे यह (बल्ब) काम कर सके।'' एडिसन कभी

भी असफलता से हतोत्साहित नहीं हुए और उनके अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप बल्ब का आविष्कार हुआ।

आज हम ऐसे ज्ञान सम्पन्न समाज में रह रहे हैं जहां मानव प्रगति रचनात्मकता और नवान्वेषणता पर टिकी हुई है। नए विचारों और नई रचनाओं से ही विश्व में परिवर्तन आएगा। इसीलिए सरकार ने देश में आगामी दस वर्षों को नवाचार दशक घोषित किया है। हमारे देशवासियों में नवान्वेषण करने की क्षमता है। इस वर्ष मार्च में राष्ट्रपति भवन में मुख्यत: जमीनी स्तर के नवान्वेषकों के अन्वेषणों की एक प्रदर्शनी आयोजित की गई थी। इस अवसर पर बहुत से दिलचस्प अन्वेषण प्रदर्शित किए गए थे। तीन युवा विद्यार्थियों ने भी इसमें भाग लिया था। उनके अन्वेषण, शारीरिक रूप से अक्षम लोगों की मदद के लिए एक सांस संवेदक उपकरण, अस्पतालों में वृद्धों के लिए घावों से बचाव के लिए बिस्तर तथा घरों में कपड़े सुखाने के लिए एक मोटर प्रणाली से सम्बन्धित थे। ये अन्वेषण उत्कृष्ट थे लेकिन सबसे ज्यादा मुझे इस बात ने प्रभावित किया कि उन्होंने दूसरों की भलाई के बारे में सोचा। अपनी प्रगति की यात्रा में हमें दूसरों के प्रति दया के भाव को नहीं भूलना चाहिए। यह मानवतावादी समाज का मूल आधार है। आपको समाज में भेदभाव और विघटन पैदा करने वाले सामाजिक विकारों को समाप्त करने के लिए भी कार्य करना चाहिए। दहेज, कन्या भ्रूण हत्या, बालिका शिशु हत्या और बाल विवाह के लिए कोई जगह नहीं हो सकती।

एक अन्य पहलू जिसे प्रत्येक भारतीय को हर समय ध्यान रखना चाहिए, वह है, देश में शांति व सौहार्द का महत्त्व। इनकी स्थापना तभी हो सकती है जब हम अपने देश के विभिन्न रीति-रिवाजों, खान-पान की आदतों, भाषाओं, धार्मिक रस्मों, परम्पराओं और संस्कृतियों का सम्मान करें। मुझे खुशी है कि भारत स्काउट और गाइड द्वारा देश के विभिन्न भागों में युवा अंतरराज्य सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम और राष्ट्रीय एकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इस संगठन को 1987 में इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय एकता पुरस्कार प्रदान किया गया था। तथापि, हमें स्वर्गीय प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की यह बात भलीभांति याद रखनी चाहिए कि राष्ट्रीय एकता के कार्य में विश्राम के लिए कोई स्थान नहीं है। अपनी भारतीयता की समझ और सामूहिक गौरव

की भावना पैदा करने के लिए हमें निरंतर प्रयास करना चाहिए। युवाओं को विकास और समृद्धि के कार्यक्रम पर अमल करना चाहिए। उन्हें इस दिशा की ओर बढ़ना चाहिए। मैं जानती हूं कि भारत स्काउट और गाइड 'खरी कमाई' नाम से एक अभियान चला रहा है। इससे युवा अपने आसपास के इलाकों में जाएंगे और कुछ कमाई करने के लिए काम मांगेंगे। उनके द्वारा अर्जित धन को उनकी स्काउट और गाइड की इकाई के कार्यों में लगाया जाएगा। इससे उन्हें श्रम के महत्त्व का पता चलेगा। ऐसी संकल्पनाएं और मूल्य राष्ट्र निर्माण कार्यों का प्रमुख आधार हैं।

प्रकृति के प्रति गहरी श्रद्धा रखने वाली सभ्यता होने के नाते हमें इसकी प्रचुरता से आनंद उठाना चाहिए। पृथ्वी हम सबकी है और हमें समझदारी से इसके संसाधनों का प्रयोग करना चाहिए, इसकी समृद्ध वनस्पति और जीवों को संरक्षित करना चाहिए तथा पर्यावरण अनुकूल नजरिया अपनाना चाहिए। वैश्विक तापमान और जलवायु परिवर्तन हमारे सम्मुख बड़ी चुनौतियां हैं। लोगों को पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए किया गया प्रत्येक प्रयास इन चुनौतियों पर विजय प्राप्त करने में सहायक होगा। युवा वृक्षारोपण करके, स्कूलों व घरों को साफ-सुथरा रखकर और स्वच्छता की भावना पैदा करके इसमें मदद कर सकते हैं। अभिभावक और शिक्षक बच्चों के मार्गदर्शन में अहम भूमिका निभा सकते हैं। स्काउट, गाइड, रेंजर और रोवर भाग्यशाली हैं कि उन्हें अनुभवी नायकों का मार्गदर्शन प्राप्त है। मुझे विश्वास है कि वे युवाओं में ऐसे मूल्यों और गुणों का समावेश करेंगे जिनसे उनका जीवन सार्थक बनेगा और अपने कार्य में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के साथ-साथ वे बेहतर समाज और एक सुदृढ़ राष्ट्र के निर्माण के लिए भी कार्य करेंगे।

इन्हीं शब्दों के साथ, मैं एक बार फिर स्काउट एवं गाइड आंदोलन तथा यहां उपस्थित सभी लोगों को अपनी शुभकामनाएं देती हूं।

धन्यवाद,

जय हिन्द।